

When Performance Beckons Success



TOTAL BUSINESS CROSSES  
Rs. **2,000,000,000,000**  
(Rs. 2 lakh crore)

Printed at: Sai Security Printers Pvt. Ltd.

Harsha Bhawan, E-Block, Connaught Place, New Delhi - 110001



**ORIENTAL BANK OF COMMERCE**

(A Govt. of India Undertaking)

Where every individual is committed



**ओरियन्टल बैंक ऑफ़ कॉमर्स**

(भारत सरकार का उपक्रम)

जहाँ प्रत्येक कर्मचारी प्रतिबद्ध है



## विषय सूची Contents

अध्यक्ष का संदेश Chairman's Message	01
निदेशक मंडल Board of Directors	07
शीर्ष प्रबन्ध वर्ग Top Management Team	08
एक नजर कार्यनिष्पादन पर Performance at a Glance	09
सूचना Notice	10-12
निदेशकों की रिपोर्ट Directors' Report	13-26
प्रबंध चर्चा एवं विश्लेषण Management Discussion and Analysis	27-37
पूँजी पर्याप्तता के नए ढाँचे के अनुसार बासेल II (पिलर 3) के अंतर्गत प्रकटन Disclosure under Basel II (Pillar 3) in terms of New Capital Adequacy Framework (NCAF)	38-54
कारपोरेट प्रबंध Corporate Governance	55-77
तुलन-पत्र और लाभ-हानि लेखा Balance Sheet and Profit & Loss Account	78-79
अनुसूचियाँ Schedules	80-119
लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट Auditors' Report	120-121
नकदी प्रवाह विवरणी Cash Flow Statement	122-123
लेखा परीक्षकों का प्रमाण पत्र Auditors' Certificate	124
प्रॉक्सी पर्ची/उपस्थिति पर्ची Proxy Slip/Attendance Slip	127-128

मै. पी.बी. विजयराघवन एण्ड कम्पनी  
M/s P.B. Vijayaraghavan & Co.

मै. फारुकी एण्ड कम्पनी  
M/s Faruqui & Co.

मै. पी. कृष्णन एंड कंपनी  
M/s V. Krishnan & Co.

मै. एस.पी. मरवाह एंड कंपनी  
M/s S.P. Marwaha & Co.

मै. मनियन एंड राव  
M/s Manian & Rao.

मै. तेज राज एंड पाल  
M/s Tej Raj & Pal

### रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट

एमसीएस लिमिटेड  
श्री वेंकटेश भवन,  
एफ-65, ओखला इंडस्ट्रीयल एरिया,  
फेज-I,  
नई दिल्ली - 110020  
फोन नं.: - 011-41406149  
फैक्स: - 011-41406148  
ई-मेल: mscdel@vsnl.com

### Registrar & Share Transfer Agents

MCS Ltd.  
Sri Venkatesh Bhawan  
F-65, Okhla Industrial Area,  
Phase-I,  
New Delhi-110020  
Phone 011-41406149  
Fax 011-41406148  
E-mail: mscdel@vsnl.com

### सहायक महाप्रबंधक

मर्चेंट बैंकिंग विभाग  
ओरियन्टल बैंक ऑफ़ कामर्स  
चौथी मंजिल, कम्पिटेंट हाउस  
एफ-14, कनाट प्लेस,  
नई दिल्ली-110001  
टेलीफोन नं.: 23321821  
फैक्स नं.: 011-23739768  
वेबसाइट: www.obcindia.co.in

### ASSTT. GENERAL MANAGER

Merchant Banking Division  
Oriental Bank of Commerce  
4th Floor, Competent House,  
F-14, Connaught Place,  
New Delhi-110001  
Tel No. 23321821  
Fax No. 011-23739768  
Website: www.obcindia.co.in

## अध्यक्ष का संदेश / Chairman's Message



### प्रिय शेयरधारकों,

मैं आपके बैंक की सोलहवीं वार्षिक आम बैठक में आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूँ और मार्च, 2010 को समाप्त अवधि के लिए आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करता हूँ।

### वैश्विक आर्थिक परिदृश्य

वर्ष 2009-10 के दौरान वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में, वैश्विक मंदी के पश्चात् प्रभावों से उबरने के पश्चात् काफी सुधार हुआ। उभरती हुई बाजार अर्थव्यवस्थाएं विशेषकर ब्राजील, रूस, भारत और चीन में बहाली देखी गई और विकसित अर्थव्यवस्थाओं की अपेक्षा ये इस संकट से तेजी से उबरने में कामयाब रही। विश्वभर में कई राष्ट्रीय सरकारों द्वारा बड़े पैमाने पर प्रारंभ किए गए राहत पैकेजों और केन्द्रीय बैंकों द्वारा बाजार में लाई गई पर्याप्त तरलता की सहायता से विश्व-अर्थव्यवस्था में सुधार हुआ। ये उपाय उस दुर्लभ संकट की प्रतिक्रिया के रूप में किए गए थे जो संयुक्त राज्य अमेरिका में लीमान ब्रदर्स के दीवालिया होने के साथ शुरू हुआ था। इससे उभरती हुई बाजार की अर्थव्यवस्थाओं में उत्पादन और विकास को कायम रखने में सहायता मिली।

हाल ही के वर्षों में अमेरिका में बेरोजगारी के दावों में कमी आना, अमेरिकी उपभोक्ताओं के व्यय में वृद्धि और अमेरिकी उपभोक्ताओं का विश्वास मजबूत होने जैसे विभिन्न आर्थिक संकेतक संयुक्त राज्य अमेरिका में हो रही आर्थिक बहाली की ओर संकेत करते हैं। दि फेडरल रिजर्व ने आर्थिक बहाली निरंतर सुनिश्चित करने के लिए ब्याज दर नीति और तरलता आपूर्ति में यथास्थिति बनाए रखी। यूरोप के कुछ राष्ट्रों विशेषकर पुर्तगाल, इटली, यूनान और स्पेन में बढ़ रहे ऋण भार के कारण इसकी मुद्रा में आई असाधारण गिरावट से यूरोप एक नए चिन्ताजनक क्षेत्र के रूप में सामने आया है।

स्टैंडर्ड एण्ड पुअर ने यूनान और पुर्तगाल की ऋण रेटिंग को कम कर दिया है। अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), यूरोपियन सेंट्रल बैंक (ईसीबी) के साथ यूनान के लिए 110 बिलियन यूरो (146 बिलियन डॉलर) का राहत पैकेज देने पर सहमत हुआ है, जिससे यह संकट दुनिया के बाकी हिस्सों में न फैले।

अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ष 2010 के लिए वैश्विक वृद्धि के -0.80% से 3.9% पर विकसित होने का अनुमान किया है।

### भारतीय आर्थिक परिदृश्य

भारतीय अर्थव्यवस्था, भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय पर किए गए संयुक्त प्रयासों के फलस्वरूप अपने समकक्षों के मुकाबले तेजी से उबरने में सफल रही। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि वित्तीय वर्ष 2008-09 के 6.7% के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2009-10 में 7.2% से 7.5% के बीच रहने की आशा है। यह औद्योगिक उत्पादन में पिछले वर्ष हुई 2.8% की वृद्धि के मुकाबले वर्ष 2009-10 के लिए 10.4% की वृद्धि से प्रतिफलित होता है। देश से पूंजी प्रवाह का प्रत्यावर्तन सकारात्मक रहा और विदेशी वित्तीय संस्थानों द्वारा ईक्विटी में पर्याप्त निवेश किया गया। स्टैंडर्ड एण्ड पुअर ने भी भारत की ऋण रेटिंग को ऋणात्मक से बढ़ाकर स्थिर कर दिया। लगभग दो अंकों के स्तर तक पहुंची मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

### Dear Shareholders,

I have great pleasure to welcome all of you to the Sixteenth Annual General Meeting of your Bank and present the Annual Report of your Bank for the period ended March 2010.

### Global Economic Scenario

The Global Economic Scenario improved considerably during the year 2009-10 after recovering from the after effects of global shock. The emerging market economies, particularly Brazil, Russia, India and China have shown resilience and recovered faster from the crisis than the developed ones. The global economy improved with the support of ample liquidity infused by the central banks besides the massive rescue packages launched by many national governments all over the world. These steps were a unique response to a rare crisis which unfolded after the collapse of Lehman Brothers in the USA. This enabled to maintain output and growth in emerging market economies.

The various economic indicators in recent past such as declining US Jobless Claims, rising US consumer spending and improving US consumer confidence suggest the signs of recovery taking place in USA. The Federal Reserve has maintained the status quo on interest rate policy and liquidity supply to ensure sustainable recovery. The Euro zone has emerged as a new area of concern arising out of extra ordinary weakness shown by its currency on the back of mounting debt burden in some of the Euro nations, particularly Portugal, Italy, Greece and Spain.

Standard & Poor has downgraded the credit ratings of Greece and Portugal. The IMF along with the ECB agreed to a 110 billion-euro (\$146 billion) rescue package for Greece to prevent crisis spreading to rest of the world.

IMF projected the global growth to recover from -0.80% to 3.9% for 2010.

### Indian Economic Scenario

The Indian economy has been able to recover faster than its peers due to the combined and timely efforts of the GOI and RBI. The GDP growth in FY 2009-10 is expected to be between 7.2% and 7.5% as against 6.7% for the financial year 2008-09. This is reflected in the Industrial output growth of 10.4% for the year 2009-10 as against 2.8% growth recorded in the previous year. The reversal of capital flow from the country turned positive with substantial inflow in the equity investments by the FIIs. Standard & Poor also upgraded credit rating for India from negative to stable. The headline inflation around double digit level has been causing concern for the economy.

भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक ने विकास की बहाली और बढ़ती हुई मंहगाई को ध्यान में रखते हुए राहत उपायों को अबाध ढंग से अंशतः वापस लेना शुरू किया। भारतीय रिजर्व बैंक के उपायों में शामिल है – बैंकों के लिए सांविधिक चलनिधि आवश्यकता (एसएलआर) को पुनः 25% पर लाना, नकदी आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में तीन चरणों में वृद्धि करके 5% से 6% करना, रेपो और रिवर्स रेपो में दो चरणों में वृद्धि करके क्रमशः 5.25% और 3.75% करना। तथापि, बैंकिंग पद्धति में उपलब्ध प्रचुर तरलता ने बाजार की ब्याज दरों पर अधिक प्रभाव नहीं डाला।

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी वार्षिक ऋण नीति में वित्तीय वर्ष 2010–11 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर के 8% रहने, मुद्रा आपूर्ति में 17%, कुल जमाराशियों में 18%, गैर-खाद्यान्न ऋण में 20% की वृद्धि होने और थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति के लक्ष्य के 5.5% पर रहने का अनुमान किया है।

वित्तीय वर्ष 2010–11 के केंद्रीय बजट में, भारत सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों को 16,500 करोड़ रुपए की अतिरिक्त पूंजी सहायता देना निश्चित किया है, ताकि अर्थव्यवस्था में ऋण की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने हेतु न्यूनतम 8 प्रतिशत की टीयर-1 पूंजी सुनिश्चित की जा सके।

### वित्तीय वर्ष 2010–11 के लिए भावी परिदृश्य

इस वर्ष मानसून के सामान्य रहने के पूर्वानुमान से भारतीय अर्थव्यवस्था में उच्चतर विकास होने तथा जीडीपी में 8.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की आशा है। खाद्य पदार्थों के मूल्य में मंहगाई जो पिछले वर्ष चिंता का विषय बनी रही, के नियंत्रित रहने की आशा है।

विश्व भर के घटनाक्रम को ध्यान में रखते हुए विश्व के वित्तीय बाजारों में उतार-चढ़ाव होने की आशा है।

### भारतीय बैंकिंग की प्रमुख घटनाएं

घरेलू आर्थिक दशाओं में हो रहे सुधार के मध्य, 2009–10 के दौरान भारतीय बैंकों का कार्यनिष्पादन प्रभावपूर्ण रहा। वर्ष 2009–10 के दौरान अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमाराशियों में 17.4% की वृद्धि हुई और ये 44,21,639 करोड़ रुपए के स्तर तक पहुंच गई जबकि इसी अवधि में ऋण प्रवाह में 16.7% की वृद्धि हुई और ये 32,40,339 करोड़ रुपए के स्तर तक पहुंच गए। मार्च, 2010 के अंत में स्थूल मुद्रा (एम3) 55,79,567 करोड़ रुपए रही और इसमें वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 16.8% की वृद्धि हुई।

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को पमरार्श दिया है कि वे 1 जुलाई, 2010 से बीपीएलआर के स्थान पर ऋण मूल्यन के लिए नई मूल दर पद्धति अपनाएं। इससे निधियों की लागत तथा ऋणी के ऋण जोखिम मूल्यांकन पर आधारित जोखिम प्रीमियम को ध्यान में रखते हुए बैंकों द्वारा अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को ऋण देने के लिए ऋण प्रदायी दरों में अधिक पारदर्शिता लाई जा सकेगी।

### बैंक के कार्यनिष्पादन की मुख्य विशेषताएं :

मैं वर्ष 2009–10 हेतु आपके बैंक का कार्यनिष्पादन आपके समक्ष सहर्ष प्रस्तुत करता हूं।

(क) 31 मार्च, 2010 को आपके बैंक का कुल कारोबार 2,00,000 करोड़ रुपये के स्तर को पार करके 2,04,442 करोड़ रुपए तक पहुंच गया और इसमें पिछले वर्ष के 1,67,434 करोड़ रुपये के मुकाबले 37,008 करोड़ रुपये (22.10% की वृद्धि) की वृद्धि हुई। मार्च, 2010 के अंत में जमाराशियां और कुल अग्रिम क्रमशः 1,20,258 करोड़ रुपये और 84,184 करोड़ रुपये रहे और इनमें क्रमशः 22.25% और 21.89% की वृद्धि हुई।

The GOI and the RBI have, keeping in view the recovery in growth and rising inflation, initiated partial rollback of stimulus measures in a non-disruptive manner. The RBI measures include restoration of the SLR requirement of the Banks to 25%, increase in CRR in three phases from 5% to 6% and hike in the Repo and Reverse Repo rates in two tranches to 5.25% and 3.75% respectively. However the availability of ample liquidity in the system has not impacted the rate of interest in the markets in a major way.

RBI in its annual credit policy, has projected real GDP growth rate at 8%, Money Supply Growth at 17%, Aggregate Deposits Growth at 18%, Non food credit growth at 20% and target of WPI inflation at 5.5% for the FY 2010-11.

In the Union Budget for FY 2010-11, GOI has earmarked Rs.16,500 crores towards additional capital support to the Public Sector Banks so as to ensure maintenance of a minimum 8 percent Tier-I capital enabling support for the growing credit demand of the economy.

### Outlook for FY 2010-11

With a normal monsoon during the year, the Indian economy is expected to return towards the higher growth path again with expected GDP growth of 8.5% and moderate the food inflation which has been a cause of worry during the previous year.

Globally the financial markets are expected to remain volatile considering the various developments across the world.

### Developments in Indian Banking

Amidst the improving domestic economic conditions, performance of Indian Banks during 2009-10 has been quite impressive. Aggregate Deposits of the Scheduled Commercial Banks (SCBs) grew by 17.4% during the year 2009-2010 to a level of Rs. 44,21,639 crore while credit flow achieved a growth of 16.7% during the same period, to reach a level of Rs. 32,40,399 crore. The Broad Money (M3) as at end March 2010 was Rs. 55,79,567 crore, with a growth of 16.8 % on year-on-year basis.

The RBI has advised the banks for moving to the new base rate system of loan pricing to replace the BPLR with effect from 1st July 2010. This would bring in more transparency in the lending rates for credit provided by the Banks to the different segments of the economy keeping in view the cost of funds as well as the risk premium based on credit risk rating of borrower.

### Performance Highlights of the Bank

I have immense pleasure in sharing with you, your Bank's performance for the year 2009-10.

(a) The Total Business Mix of your Bank crossed Rs.2,00,000 crore mark and stood at Rs.2,04,442 crore as on March 31st 2010 as against Rs.1,67,434 crores in the previous year reflecting an increase of Rs. 37,008 crores (growth of 22.10%). As at end-march 2010, Deposits and Gross Advances stood at Rs.1,20,258 crore and Rs.84,184 crore, registering a growth of 22.25% and 21.89%, respectively.





- (ख) आपके बैंक का ऋण-जमा अनुपात मार्च, 2010 के अंत में 70.22% रहा। बैंक का अग्रिम संविभाग वैविध्यपूर्ण एवं संतुलित है और अर्थव्यवस्था के उत्पादन क्षेत्र की ऋण आवश्यकताओं को पूरा किया गया है।
- (ग) बैंक के प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अग्रिम 40% की निर्धारित सीमा से अधिक अर्थात् समायोजित निवल बैंक ऋणों (एएनबीसी) का 42.90% रहे। मूल्य के अनुसार प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अग्रिम मार्च, 2009 के अंत में रहे 22,315 करोड़ रुपये के अग्रिम 7,069 करोड़ रुपये (31.68%) की वृद्धि के साथ मार्च, 2010 के अंत में 29,384 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गए।
- (घ) कृषि क्षेत्र के कुल अग्रिम 11,267 करोड़ रुपये रहे जिनमें से प्रत्यक्ष कृषि को दिए गए अग्रिमों की राशि 6,564 करोड़ रुपये रही। कुल कृषि अग्रिमों में 30.80% की वृद्धि हुई जबकि प्रत्यक्ष कृषि में 41.34% की वृद्धि दर्ज की गई।
- (ङ) 2009-10 के दौरान लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) को दिए गए बैंक वित्त 81.11% की वृद्धि के साथ 6,941 करोड़ रुपये से बढ़कर 12,571 करोड़ रुपये हो गए।
- (च) वर्ष 2009-10 के दौरान शिक्षा ऋण 23% की वृद्धि के साथ 790 करोड़ रुपये से बढ़कर 972 करोड़ रुपये हो गए।
- (छ) वर्ष 2009-10 के दौरान आवास ऋण 13.28% की वृद्धि के साथ 7,014 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,946 करोड़ रुपये हो गए।
- (ज) मार्च, 2010 के अंत में बैंक का परिचालन लाभ पिछले वर्ष के अंत में 1,670 करोड़ रुपये के स्तर से 45% की वृद्धि के साथ 2,422 करोड़ रुपये हो गया। इसी अवधि के दौरान निवल ब्याज आय भी 45.63% की वृद्धि के साथ 1,997 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,907 करोड़ रुपये हो गई।
- (झ) आपके बैंक का निवल लाभ वर्ष 2008-09 के दौरान रहे 890 करोड़ रुपये के स्तर से बढ़कर वर्ष 2009-10 के दौरान 1000 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण लक्ष्य पार करके 1135 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।
- (ञ) आपके बैंक ने 2009-10 के दौरान एनपीए में 855 करोड़ रुपये की वसूली की। कुल एनपीए 1,469 करोड़ के स्तर पर रहे जो 31 मार्च, 2010 की स्थिति के अनुसार कुल अग्रिमों का 1.74% है। मार्च, 2010 के अंत में बैंक के निवल एनपीए 0.87% थे।
- (ट) मुझे आपको यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपका बैंक बासेल-II अनुपालक है। साथ ही, बैंक का जोखिम भारत संपत्ति की तुलना में पूंजी अनुपात (सीआरएआर), भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित 9% की न्यूनतम अपेक्षा से कहीं अधिक 12.54% रहा।
- (b) The CD ratio of your Bank stood at 70.22% as of March 2010. The Advances portfolio of the Bank is well diversified and balanced and the credit needs of productive sectors of the economy have been met.
- (c) The Priority Sector (PS) Advances of your Bank constituted 42.90% of Adjusted Net Bank Credit (ANBC) as against the requirement of 40%. In value terms, PS Advances increased by Rs.7,069 crore (a growth of 31.68%) to reach a level of Rs.29,384 crore as at end March 2010 from Rs.22,315 crore as at end March 2009.
- (d) Total advances to Agriculture Sector stood at Rs. 11, 267 crore, out of which advances to Direct Agriculture was Rs.6,564 crore. Total Agriculture Advances grew by 30.80%. Direct Agriculture grew by 41.34%.
- (e) Bank's exposure to Small and Medium Enterprises (SME) increased to Rs.12,571 crore from Rs.6,941 crore, thus growing by 81.11% during 2009-10.
- (f) Loans for Education increased to Rs.972 crore from Rs.790 crore, thus recording a growth of 23% during FY 2009-10.
- (g) Loans for Housing increased to Rs.7,946 crore from Rs.7,014 crore, thus recording a growth of 13.28% during the year 2009-10.
- (h) Operating Profit of the Bank as at end March 2010 recorded a growth of 45% to Rs.2,422 crore from a level of Rs.1,670 crore as at the end of the preceding year. During the same period, Net Interest Income increased by 45.63% to Rs.2,907 crore from Rs.1,997 crore.
- (i) The Net Profit of your Bank crossed the important milestone of Rs. 1000 Crore and reached to Rs.1135 crore during 2009-10 from a level of Rs.890 crore during 2008-09.
- (j) Your Bank made a recovery of Rs.855 crore in NPA during 2009-10. The Gross NPA stood at a level of Rs.1,469 crore which is 1.74% of Gross Advances as on 31st March 2010. The Net NPA of the Bank was at 0.87% at the end of March 2010.
- (k) I am happy to inform you that your Bank is Basel II compliant and Capital to Risk-Weighted Assets Ratio (CRAR) of the Bank stood at 12.54%, well above the minimum requirement of 9% as stipulated by RBI.

### नवोन्मेष कार्य :

शुल्क आधारित आय के भाग को बढ़ाने के उद्देश्य से बैंक ने शुल्क आधारित आय में वृद्धि हेतु कई कदम उठाए हैं।

- (1) बैंक ने जीवन बीमा कारोबार के क्षेत्र में केनरा बैंक तथा एचएसबीसी बीमा (एशिया पैसिफिक) के साथ संयुक्त उद्यम में (23%) के हिस्से के साथ) प्रवेश करके 'केनरा एचएसबीसी ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स लाइफ इन्श्योरेंस कंपनी लिमिटेड' का गठन किया है जिसने 16 जून, 2008 से अपना कार्य आरंभ किया है। अप्रैल, 2009-मार्च, 2010 की अवधि में बैंक ने 121.60 करोड़ रुपये के पहले प्रीमियम के साथ 38097 पालिसियां बेचीं।

### New Initiatives

In order to increase the share of Fee Based Income, the Bank has taken a number of steps that aim to augment the flow of Fee Based Income.

- (1) The Bank had entered into a Joint Venture (with 23% stake) for Life Insurance Business with Canara Bank and HSBC Insurance (Asia Pacific) to form "Canara HSBC Oriental Bank of Commerce Life Insurance Company Limited" which started its operations w.e.f. 16th June 2008. During the period April 2009-March 2010, the Bank sold 38,097 policies with First Premium Collection of Rs.121.60 Crores.

- (2) आय सृजन के अन्य स्रोतों में निम्नलिखित अन्य उत्पादों की बिक्री शामिल है:
- क. दि ओरियन्टल इश्योरेन्स कंपनी लि० की गैर.जीवन पॉलिसियां
  - ख. चार प्रमुख म्यूचुअल फण्ड कंपनियों के म्यूचुअल फण्ड उत्पाद
  - ग. अपने डी.मैट खाताधारकों को डिपाजिटरी भागीदारी सेवाएं तथा ऑनलाइन ट्रेडिंग सुविधाएं प्रदान करना
  - घ. ग्राहकों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप तथा दक्षतापूर्ण नकदी प्रबंधन सेवाएं प्रदान करना
  - ड. आलोच्य वर्ष के दौरान बैंक ने उत्पाद शुल्क के ऑन –लाईन संग्रहण का प्राधिकरण प्राप्त किया। यह पहले से वसूल किए जा रहे प्रत्यक्ष करों के अलावा है।

बैंक ने लाभप्रदता बढ़ाने के लिए कासा जमाराशियां जुटा कर कम लागत की निधियों पर अधिक ध्यान दिया। अधिकतम आय प्राप्त करने के लिए ऋण विभाग को तीन भागों बड़े कारपोरेट, मध्यम कारपोरेट और प्राथमिकता क्षेत्र तथा रिटेल ऋण में विभाजित किया गया। अब इन तीनों क्षेत्रों के अध्यक्ष स्वतंत्र महाप्रबंधक हैं, जो अपने कारोबार क्षेत्र में विकास के लिए जिम्मेदार हैं।

#### अंतरराष्ट्रीय पहचान :

आपके बैंक ने 30.03.2009 को दुबई में पहला प्रतिनिधि कार्यालय खोलकर अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में अपना स्थान बनाया। यह विदेशी कार्यालय बैंक की भविष्य में महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केन्द्रों में अपना विस्तार करने की महत्वाकांक्षा का शुभारंभ है। दुबई में हमारे प्रतिनिधि कार्यालय से, अनिवासी भारतीयों और भारतीय मूल के व्यक्तियों को भारत में कारोबार करने के अवसरों के बारे में सहायता दी जा रही है तथा हमारे उत्पादों और सेवाओं की मार्किटिंग की जा रही है।

#### बेहतर ग्राहक सेवा हेतु प्रौद्योगिकी :

आपका बैंक ऐसे गिने-चुने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से है जहां 100% कारोबार कोर बैंकिंग सॉल्यूशन के माध्यम से किया जाता है। बेहतर कार्यनिष्पादन तथा बड़े हुए कारोबार को संभालने के लिए सीबीएस से संबंधित सूचना प्रौद्योगिकी ढांचे को अपग्रेड किया गया। बैंक के सभी कार्यालय केंद्रीकृत नेटवर्क से जुड़े हैं, जिससे ग्राहकों को एक ही स्थान पर अबाध सेवा प्रदान की जाती है। मार्च 2010 के अंत में आपके बैंक का एटीएम आधार 980 हो गया और 18.43 लाख कार्डधारकों के माध्यम से प्रतिदिन 1 लाख से अधिक लेन-देन किए जा रहे हैं।

आपके बैंक की कारपोरेट वेबसाइट समसामयिक और हमारी कारपोरेट छवि के अनुरूप है। इस साइट में मूल्यवर्धित लिंक जैसे एनएसई मार्किट ट्रैकर, एनएसई विदेशी मुद्रा ट्रैकर, बीएसई सेंसेक्स, एनएसई निफ्टी और स्पोर्ट्स अपडेट आदि को शामिल किया गया है। इस वेबसाइट को वेरीसाइन से सिक्क्योरड सॉफ्टवेयर एन्क्रिप्शन लागू करके सुरक्षित भी किया गया है।

ऑनलाइन एनईफटी, ई-कॉमर्स, शेयरों की ऑनलाइन ट्रेडिंग इत्यादि जैसी अतिरिक्त सुविधाएं भी इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से उपलब्ध करवा दी गई हैं। वर्ष के दौरान 77,000 नए ग्राहक बनने से इंटरनेट बैंकिंग का ग्राहक आधार 2.75 लाख तक पहुंच गया है व औसतन 21,000 दैनिक हिट्स किए जा रहे हैं। आपके बैंक ने इस वर्ष मोबाइल बैंकिंग सुविधा भी आरंभ की है जिससे ग्राहकों को मोबाइल फोन पर कई सुविधाएं जैसे बैलेंस की जानकारी, लघु विवरण, अपने बैंक में व अन्य बैंकों में निधि अंतरण इत्यादि दी जा रही हैं।

- (2) Other avenues of generating Income include selling the following others products:

- a. NonLife Policies of the Oriental Insurance Company Ltd.
- b. Mutual Fund products of four major Mutual Fund companies.
- c. Providing Depository Participant Services and Online Trading facilities to its Demat A/c holders.
- d. Providing tailor made and efficient Cash Management Services to the clients.
- e. During the current year the Bank obtained authorization for online collection of Excise duties. This is in addition to the collection of direct taxes which is already being done.

Towards improving profitability, the Bank has focus on low cost resources through mobilization of CASA deposits. The credit portfolio has been trifurcated under Large Corporate, Mid-Corporate and PS & Retail lending to optimize yields. Each of these segments is now headed by an independent General Manager for ensuring growth of respective business segment.

#### International Presence

Your Bank made its foray in International arena on 30.03.2009 with the opening of its first representative office at Dubai. This overseas venture is the beginning of the Bank's quest to spread its wings at other important International Financial Centres in the future. Our representative office at Dubai has been extending assistance to NRIs and PIOs about business opportunities in India and marketing the Bank's products & services.

#### Technology for Better Customer Service:

Your Bank is amongst the few Public Sector Banks where 100% of the business is routed through the Core Banking Solution. The CBS related IT infrastructure has been upgraded during the year for better performance and to cope with increased business load. All offices of the Bank are connected to the centralized network & offering one stop seamless services to customers. As at the end of March 2010, your Bank has got ATM base of 980 and more than 1 lakh transactions are happening per day through a card base of 18.43 lakh.

Your Bank's Corporate Website is contemporary and in line with our Corporate image. Value added links like NSE Market Tracker, NSE Foreign Exchange Tracker, BSE Sensex, NSE Nifty and sports update etc. have been incorporated in the site. The website has also been secured by implementing Secured Socket Layer encryption from VeriSign.

Additional features such as Online NEFT, e-Commerce, Online Trading of shares etc. have also been made available through Internet Banking. With addition of 77,000 new customers during the year, the Internet Banking customer base has reached to 2.75 lakh and average daily hits to 21000. Your Bank has also launched Mobile Banking Services during the year thereby providing the customers host of facilities on their mobile phones like balance enquiry, mini statements, transfer of funds within the Bank as well as to other Banks, etc.



## लाभांश

आपके बैंक की लाभांश घोषित करने की नीति शेयरधारकों को उचित प्रतिफल देने तथा स्वस्थ पूंजी पर्याप्तता अनुपात बनाए रखने और भावी विकास में सहयोग करने हेतु लाभ के पुनर्निवेश पर आधारित है। तदनुसार, आपके निदेशकों ने गत वर्ष प्रदान किए गए 73% लाभांश (7.30 रुपए प्रति शेयर) की तुलना में 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए 91% (9.10 रुपए प्रति शेयर) का लाभांश सहर्ष प्रस्तावित किया है।

## कारपोरेट सामाजिक दायित्व

अपने कारपोरेट सामाजिक दायित्व के रूप में आपके बैंक ने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई) स्थापित करने हेतु 09.12.2005 को ओबीसी ग्रामीण विकास न्यास के नाम से एक न्यास की स्थापना की है। इस न्यास ने चार जिलों अर्थात् जयपुर, श्रीगंगानगर, फिरोजपुर एवं देहरादून में संस्थान स्थापित किए हैं। इस न्यास की स्थापना से लेकर अब तक 411 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 15214 प्रत्याशियों ने लाभ उठाया है। स्वरोजगार सृजित करने वाले क्रियाकलापों जैसे टेलरिंग, सिलाई एवं कढ़ाई, फुलकारी, टमाटर की चटनी तथा नींबू स्कवैश बनाने आदि के लिए ग्रामीण बेरोजगार युवकों का कौशल बढ़ाने के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। न्यास की गतिविधियों में, फसलों की विविधता, स्वयम्-सहायता समूहों का गठन, कौशल विकास, उद्यमशीलता का विकास और ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देना भी शामिल है।

बैंक ने नेत्रहीनों के लिए वायस एटीएम और बायोमैट्रिक एटीएम आरंभ किए हैं। आपके बैंक ने बच्चों में कंप्यूटर साक्षरता बढ़ाने में सहयोग दिया और गैर सरकारी संस्थाओं तथा सामाजिक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की।

बैंक ने वित्तीय समावेशन के लिए गांवों को अंगीकार किया है और उन जिलों में जहां बैंक अग्रणी बैंक के रूप में कार्य कर रहा है, स्वेच्छा से 100 प्रतिशत वित्तीय समावेशन किया है। स्मार्ट कार्ड देकर वित्तीय समावेशन कार्यान्वित करने संबंधी परियोजना को 7 जिलों अर्थात् अमृतसर, देहरादून, गुरदासपुर, मुक्तसर, श्रीगंगानगर, दिल्ली एवं फिरोजपुर में क्रियान्वित किया है। स्मार्ट कार्ड प्रदान करने हेतु 1,24,283 ग्राहकों को सूचीबद्ध किया गया जिसमें से 31.03.2010 तक 97,023 कार्ड एक्टिवेट कर दिए गए हैं।

आपके बैंक ने ग्रामीण क्लीनिक कार्यक्रमों के माध्यम से कुछेक चयनित गांवों में ग्रामीणों को चिकित्सा सहायता भी प्रदान की।

## कम्पनी अभिशासन

आपका बैंक श्रेष्ठ मानक पद्धतियों को अपनाकर, कम्पनी अभिशासन के सर्वोच्च मानदंडों को कायम रखे हुए हैं। बैंक सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित कम्पनी अभिशासन संबंधी दिशानिर्देशों का अनुपालन कर रहा है।

बैंक की कम्पनी अभिशासन नीतियों में हमारे सभी ग्राहकों जिनमें जमाकर्ता, ऋणदाता, ग्राहक, कर्मचारी एवं विनियामक प्राधिकारी शामिल हैं, के प्रति मंडल के उत्तरदायित्व और लिए गए निर्णयों के महत्व को स्वीकार किया गया है।

## जोखिम प्रबन्धन/बासेल-II का कार्यान्वयन

बैंक ने अपेक्षित जोखिम प्रबन्धन पद्धतियां अपनाई हैं जिनकी भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य विनियामक निकायों से, समय-समय पर प्राप्त निर्देशों के अनुसार पुनरीक्षा की जाती है एवं इन्हें आवधिक तौर पर अद्यतन किया जाता है। बैंक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी नए पूंजी पर्याप्तता ढांचे सम्बन्धी दिशानिर्देशों के अनुसार बासेल-II का अनुपालन है व विभिन्न जोखिमों के तहत भारतीय रिजर्व बैंक दिशानिर्देशों के अंतर्गत उन्नत दृष्टिकोण अपनाने

## Dividend

Your Bank's policy of declaring dividend is to reward the share holders as well as to plough back sufficient profits for maintaining a healthy capital adequacy ratio & supporting future growth. Accordingly, your Directors are happy to propose a total dividend of 91% (Rs. 9.10 per share) for the year ended 31st March, 2010 as against 73% (Rs. 7.30 per share) paid for the preceding year.

## Corporate Social Responsibility:

As a part of its Corporate Social Responsibility, your Bank has set up a Trust in the name of 'OBC Rural Development Trust' on 09.12.2005 for setting up of Rural Self Employment Training Institutes (RSETIs). The Trust has set up Institutes in four Districts, viz., Jaipur, Sriganganagar, Ferozepur and Dehradun. Since inception a total of 411 training programmes have been conducted benefiting 15,214 candidates. Free training on skill development to rural unemployed youth is being imparted for self-employment generating activities such as Tailoring, Stitching and Embroidery, Phulkari, Tomato sauce and Lemon squash preparation, etc. The activities of the Trust also cover education of farmers in crop diversification, formation of Self Help Groups, Skill Development, Entrepreneurship development and promoting use of non-conventional energy.

Bank has operationalised voice enabled ATMs for the visually impaired and Bio-metric ATMs. Your Bank has assisted in improving computer literacy among children and has provided financial assistance to NGOs and Institutions committed to social causes.

Bank has adopted villages for financial inclusion and volunteered for 100% Financial Inclusion in districts where it is acting as Lead Bank. A Project for implementing Financial Inclusion by providing smart cards has been launched in 7 districts viz. Amritsar, Dehradun, Gurdaspur, Muktsar, Sriganganagar, Delhi and Ferozepur. A total number of 1,24,283 customers have been enrolled for providing smart cards out of which 97,023 cards have been activated upto 31.03.2010.

Your Bank also provided medical assistance to villagers in some identified villages through a Rural Clinic programme.

## Corporate Governance

Your Bank has been maintaining the highest standards of Corporate Governance by adopting best industry practices. The Bank has been adhering to the corporate governance guidelines laid down by SEBI and RBI.

Bank's Corporate Governance policies recognize the accountability of the Board and the impact of its decisions on all our constituents including shareholders, depositors, lenders, customers, employees and the Regulatory authorities.

## Risk Management / Implementation of Basel II:

The Bank has put in place requisite Risk Management Systems which are reviewed and updated periodically in the light of guidelines received from Reserve Bank of India and other regulatory bodies from time to time.

The Bank is Basel II compliant in terms of the New Capital Adequacy Framework guidelines issued by the Reserve Bank of India and is gearing itself to adopt the advanced approaches





के लिए स्वयं को तैयार कर रहा है। बैंक का आरक्षित परिसम्पत्ति की तुलना में पूंजी अनुपात (सीआरएआर) 31.03.2010 को 12.54% रहा।

### ग्राहक सेवा

हमारे ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक स्थायी सम्बन्ध है जो कई वर्षों के विश्वास से बने हैं और इस आशा पर आधारित है कि बैंक उनके सपनों को व्यावसायिक ढंग से पूरा करने के लिए सदैव उन्हें सहयोग देगा। हम अपने सम्मानित ग्राहकों को श्रेष्ठ बैंकिंग सेवाएं, उत्पाद प्रदान करने और उत्कृष्टता की परम्परा निभाने के लिए वचनबद्ध हैं।

### भावी योजना

2009–10 में 2.00 लाख करोड़ रुपये के कुल कारोबार का कीर्तिमान पार करने के पश्चात् हम भावी योजना के प्रति आशावान हैं। इस दिशा में हमने वर्ष 2010–11 के दौरान 20% से अधिक की अनुमानित विकास दर के साथ संस्थागत विकास के लिए 150 नई शाखाएं खोलने की योजना तैयार की है।

वर्ष 2010–11 के दौरान 373 विशेषज्ञ अधिकारियों सहित बैंक का 1500 से अधिक कर्मियों की नियुक्ति करने का लक्ष्य है।

वर्ष के दौरान, 20 नए बायोमीट्रिक एटीएम लगाने, 2 लाख नए बायोमीट्रिक कार्ड जारी करने, 3.64 लाख नए नो फ्रिल खाते जुटाने, 1000 अतिरिक्त गांवों को अंगीकार करने, 1000 कारोबार प्रतिनिधि नियुक्त करने एवं 50000 नए स्वयं सहायता समूह (एसएचजी)/संयुक्त देयता समूह (जेएलजी) बनाकर वित्तीय समावेशन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

निदेशक मंडल की ओर से और मैं अपनी ओर से सभी शेयरधारकों द्वारा प्रबंध वर्ग के प्रति दर्शाए गए उनके विश्वास के लिए हार्दिक धन्यवाद एवं आभार प्रकट करता हूँ। मैं बैंक के प्रत्येक कर्मचारी की समर्पण भावना तथा हमारे निष्ठावान ग्राहकों द्वारा दिए गए सतत सहयोग व संरक्षण के लिए भी उनका धन्यवाद करता हूँ। मैं वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक का, उनके सतत मार्गदर्शन और सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।



(टी. वाई प्रभु)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

under different risks as per RBI framework. The Bank's CRAR as on 31.03.2010 stood at 12.54%.

### Customer Service

With our customers, we share a long and enduring relationship that is built over the years on trust and an abiding hope that the Bank will always partner for the fulfillment of their dreams in a professional manner. We are committed for bringing to our esteemed customers the best of banking services, products and a tradition of excellence.


### The Road Ahead

Having crossed the Business Mix landmark of Rs. 2.00 Lac Crore in 2009-10, we are looking optimistically at the Road Ahead. Towards this we have outlined a plan to grow organically by adding more than 150 branches during 2010-11 with projected growth rate of exceeding 20%.

The Bank aims to recruit more than 1500 personnel including 373 specialist officers during 2010-11.

Special focus is being laid on Financial Inclusion by way of installation of 20 new biometric ATMs, issuing 2 Lac fresh Biometric Cards, mobilizing 3.64 lac fresh No-Frill Accounts, adopting 1000 more villages, appointing 1000 Business Correspondents and forming 50000 new Self Help Groups (SHGs)/Joint Liability Groups (JLGs) during the year.

On behalf of the Board of Directors and on my own behalf, I take this opportunity to express my sincere thanks and gratitude to all the Shareholders of the Bank for reposing their faith in the Management. I also thank every employee of the Bank for their dedication and our loyal customers for their continued support and patronage. My sincere thanks to the Ministry of Finance, Government of India and the Reserve Bank of India for their continued guidance and support.



(T. Y. PRABHU)

CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR



## निदेशक मंडल Board of Directors



श्री टी. वाई. प्रभु  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक  
Sh. T.Y. Prabhu  
Chairman & Managing Director



श्री एच. रत्नाकर हेगडे  
कार्यकारी निदेशक  
Sh. H. Rathnakara Hegde  
Executive Director



श्री एस.सी. सिन्हा  
कार्यकारी निदेशक  
Sh. S.C. Sinha  
Executive Director



श्री एस.के. न्यूले  
Sh. S.K. Newlay



श्रीमती सुमिता डावरा  
Smt. Sumita Dawra



श्री विजय जागीरदार  
Sh. Vijay Jagirdar



डॉ आर.एस. महर्षि  
Dr. R.S. Maharshi



श्री टी. वल्लियप्पन  
Sh. T. Valliappan



श्री यू.के. खेतान  
Sh. U.K. Khaitan



श्री सी.के. सभरवाल  
Sh. C.K. Sabharwal



श्री के.बी.आर. नायडू  
Sh. K.B.R. Naidu

## शीर्ष प्रबंधक वर्ग Top Management Team

## महाप्रबंधक General Managers



श्री बी.के. मित्रा  
Sh. B.K. Mitra



श्री एस.सी. शर्मा  
Sh. S.C. Sharma



श्री शील कुमार शर्मा  
Sh. Sheel Kumar Sharma



श्री सी.एम. खुराना  
Sh. C.M. Khurana



श्री विक्रम कोछड़  
Sh. Vikram Kochhar



श्री एच.के. मदान  
Sh. H.K. Madan



श्री अतुल गौतम  
Sh. Atul Gautam



श्री वी.के. कम्बोज  
Sh. V.K. Kamboj



श्री आर.एम. शर्मा  
Sh. R.M. Sharma



श्री एम.एस. शेटी  
Sh. M.S. Shetty



श्री राजीव र्षि  
Sh. Rajeev Rishi



श्री ए.के. टांगड़ी  
Sh. A.K. Tangri



श्री एस.के. शर्मा  
Sh. S.K. Sharma



श्री प्रदीप अग्रवाल  
Sh. Pradeep Aggarwal



श्री एम.एस. रन्धावा  
Sh. M.S. Randhawa



श्री ए.सी. हरी  
Sh. A.C. Hari



श्री जे.एम.ए. डेविड  
Sh. J.M.A. David



श्री ए.के. मुन्जाल  
Sh. A.K. Munjal



श्री एस.सी. शर्मा  
Sh. S.C. Sharma



श्री के.के. बोर्डिया  
Sh. K.K. Bordia



श्री एल. के. धाम  
Sh. L.K. Dham



श्री के.सी. विजयवर्गी  
Sh. K.C. Vijayvargi



श्री एस.एन. चोपड़ा  
Sh. S.N. Chopra



श्री आर.एल. अग्रवाल  
Sh. R. L. Aggarwal



श्री आर. मधुसूदन  
Sh. R. Madhusudan